कान्हा प्यारे | By Nikunj Prem |

मोरे नटखट कान्हा प्यारे
मोरी आकर सुध ले जा रे
वृंदावन की कुंज गलिन में
घूम रहे बेसहारे
मोरे नटखट कान्हा प्यारे
मोरी आकर सुध ले जा रे

मन मंदिर में तेरी मूरत
अँखियाँ ढूँढे तेरी सूरत
तेरे दरश के प्यासे नैना
आके मोहे चैन दिला रे
मोरे नटखट कान्हा प्यारे
मोरी आकर सुध ले जा रे

तन भी भूखा मन भी टूटा
भाग्य भी मेरा मुझसे रूठा
चौरासी के इस झंझट से
आके मेरे प्राण बचा रे
मोरे नटखट कान्हा प्यारे
मोरी आकर सुध ले जा रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-nikunj-prem/